न्यूज़लेटर

पिछले सप्ताह की घटनाओं का विवरण

कॉमप्रोमाईस्ड प्रधानमंत्री

संसद में यह सप्ताह कई मायनों में अभूतपूर्व और दुर्भाग्यपूर्ण रहा।

विपक्ष के नेता के रूप में मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाने की कोशिश की और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे द्वारा लिखी किताब से कुछ पढ़ना चाहा - यह सरकार के लिए बहुत मुश्किल था और उन्होंने मुझे बोलने से रोक दिया।

फिर आए **झूठ और डर**

यह सिलसिला बार-बार दोहराता है।

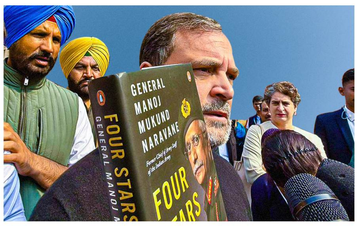

सरकार का यह दावा कि वह किताब मौजूद ही नहीं है एक सफेद झूठ है - **मेरे पास वह किताब है।**

वीडियो देखें →

मोदी सरकार ने चीन के हमले के समय **हमारे सैनिकों और सेनाको अकेला छोड़ दिया।**

वीडियो देखें →

प्रधानमंत्री सच से डरे हुए हैं - उनमें लोकसभा में जवाब दे ने का साहस नहीं है।

वीडियो देखें →

प्रधानमंत्री ने हमारे किसानों के हितों को बेच दिया - एपस्टीन और अडानी मामलों में उलझ कर।

वीडियो देखें →

मोदी सरकार को हमारे लोकतंत्र के मूल्यों का सम्मान करना चाहिए।

विपक्ष के नेता के रूप में मुझे बोलने का अधिकार है। राष्ट्रीय सुरक्षा और जनहित के मुद्दे उठाना मे रा कर्तव्य है - वो मुझे रोक नहीं सकते।

परिवर्तन की पहली सीढ़ी है

उठाओ अपनी आवाज़

अगर आप मानते हैं कि संसद वह स्थान होना चाहिए जहाँ सच बोला जा सके, तो इस संदेश को साझा करें और हमारे लोकतंत्र के साथ खड़े हों।

अभी साझा करें →